विन्सेंट वॉनगॉग की मानसिक अवस्था का कलाभिव्यक्ति पर प्रभाव : एक अध्ययन

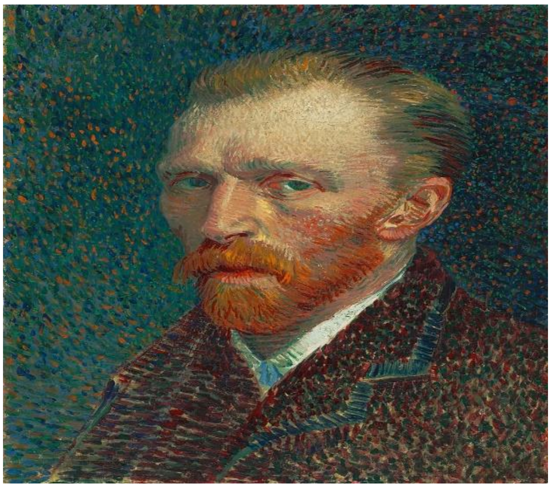

दयालबाग एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी) दयालबाग, आगरा से चित्रकला विषय में पी-एच.डी. की उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रबन्ध की रूपरेखा

शोध छात्रा

रेनू

सह शोध निर्देशिका

डॉ. चन्द्र कान्ता अग्रवाल

एसोसिएट प्रोफेसर ,विभागाध्यक्ष

मनोविज्ञान विभाग

टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़

शोध निर्देशिका

डॉ. सोनिका

असिस्टेंट प्रोफेसर

चित्रकला विभाग ,कला संकाय

दयालबाग एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)

दयालबाग, आगरा

2022

विषय प्रवेश

- शोध संकल्पना 1-2
- सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन 2-3
- परिकल्पना 3
- उद्देश्य 3-4
- चर 4
- कार्य प्रणाली 4
    - अनुसंधान अभिकल्प
- प्रदत्त संकलन 4
    - प्राथमिक स्त्रोत
    - द्वितीयक स्त्रोत
- प्रतिदर्श का आकार 4
- सीमाएं 4-5
- निष्कर्ष 5
- आधुनिक युग में प्रासंगिकता 5

शोध संकल्पना

कला मनुष्य के जीवन के हर भाग को प्रभावित करती है। कलाओं की प्रेरणा के स्त्रोत मुख्यतः जीवन के विभिन्न भाग, धर्म, राष्ट्रीयता रही है। मानव जीवन में अनेक प्रकार के हर्ष, आशा, निराशा, उल्लास, अवसाद के अवसर आते हैं जो विभिन्न कलाओं के साथी हैं। अतः समस्त कलाएं व्यक्तिगत और भावात्मक होती है। हिगेल के अनुसार कला को मुख्यतः पांच भागौं में बांटा गया है- काव्य कला, संगीत कला, चित्रकला, मूर्तिकला तथा वास्तुकला। प्राचीन काल से ही चित्रकला मानव की अभिन्न संगिनी रही है। प्रारम्भ में चित्रों के विषय पौराणिक कथाओं, राजा रानियों की यथोकथा पर आधारित थे परन्तु परिवर्तन ही संसार का नियम है। समय के अनुसार लोगों की विचारधारा में भी परिवर्तन आता है। धीरे-धीरे कलाकारों ने धार्मिक गाथाओं एवं वर्णात्मक चित्रों के अंकन में रूचि लेना बन्द कर दिया तथा प्रकृति चित्रण, जनसाधारण चित्रण में रूचि लेने लगे। चित्रण का अंकन सुन्दर व आकर्षक न होकर यथार्थ व वास्तविकता पर आधारित था। अतः धार्मिक बन्धनों से मुक्त होकर विज्ञान के प्रभाव में जो कला उत्पन्न हुई उसे आधुनिक कला कहा गया। फ्रांस आधुनिक कला का मुख्य केन्द्र है जिसका स्वरूप हम प्रभाववाद, नवप्रभाववाद, उत्तरप्रभाववाद, यथार्थवाद, फाववाद, घनवाद तथा भविष्यवाद आदि रूपों में देखते हैं।

विन्सेंट वॉनगॉग आधुनिक कला, उत्तर प्रभाववाद के श्रेष्ठ कलाकार है जितना प्रसार प्रचार आधुनिक कला में वॉनगॉग का है उतना किसी अन्य कलाकार का नहीं है। 19 वीं शताब्दी में यूरोप में यथार्थवादी कला का प्रचलन था। लोग प्रायः मॉड़ल की सहायता से चित्र बनाते थे। वॉनगॉग के पास इतना धन नहीं था कि वह मॉड़ल से चित्र बना सके। अतः उन्होंने हर वस्तु को कलात्मक नजरों से देखा बाहरी सौन्दर्य की अपेक्षा आन्तरिक सौन्दर्य को अधिक महत्व दिया। वॉनगॉग का कला जीवन संघर्ष के साथ गुजरा था।उनके चित्र

केवल चित्र ना होकर उनकी जिन्दगी की कहानी, भावनाओं का रूप बन गये जो दर्शकों के हृदय पर छाप छोड़ते है। वॉनगॉग के चित्रों और उनकी मानसिक अवस्था में गहरा सम्बन्ध है यह भी कह सकते है वॉनगॉग ने जो चित्र बनाए वे उनकी मानसिक अवस्था का ही प्रतिरूप है। जीवन की अनेक घटनाओं के कारण वॉनगॉग मानसिक बीमारी से पीड़ित रहे जिसका प्रभाव उनके चित्रों में दिखाई देता है। मोटे तूलिका घात, घहरे काले रंग उनके मन

की बेचैनी, जीवन की उदासीनता को दर्शाते हैं। उस समय प्रायः कलाकार भड़कीले, चमकीले रंगों का प्रयोग करते थे परन्तु वॉनगॉग ने इस चलन को तोड़कर अपनी भावनाओं के अनुसार रंग लगाए। सामान्यतः एक कलाकार को किसी व्यक्ति का चित्र बनाने के लिए केवल उस व्यक्ति के शरीर की आवश्यकता होती है लेकिन वॉनगॉग उस व्यक्ति के दिमाग में झांके बिना उसका चित्र नहीं बना सकते। द स्टारी नाइट, पटैटो इटर्स, द सौरो, साइप्रस, सेल्फ पोर्टेट विद बेन्ड़ेज इयर आदि वॉनगॉग के प्रमुख चित्र है। मैं अपने इस शोध में वॉनगॉग की कला और उनकी मानसिक स्थिति के बीच सम्बन्ध को उनकी कृतियों, उनके जीवन की घटनाओं के आधार पर स्पष्ट करूंगी।

सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन

किसी भी अनुसन्धान का प्रथम चरण अनुसन्धान विषय क्षेत्र के बारे में अध्ययन करना व ज्ञान एकत्र करना होता है। अनुसन्धान विषय से सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन करना तथा अनुसन्धान की पृष्ठभूमि तैयार करना सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। मैंने अपने शोध के लिए अनेक पुस्तकों, सन्दर्भित ग्रन्थों, इन्टरनेट की वेबसाइट्स व वॉनगॉग से सम्बन्धित चलचित्रों की भी सहायता ली हैं।

विन्सेंट वॉनगॉग के जीवन पर अधारित ' **द लस्ट फॉर लाइफ**' पुस्तक **इरविंग स्टोन** द्वारा रचित इस शोध का महत्वपूर्ण स्त्रोत है। जिसमें वॉनगॉग के सम्पूर्ण जीवन वृत का ज्ञान प्राप्त होता है। मनोविज्ञान के अध्ययन हेतु मैंने **The Psychodynamic of Abnormal Behaviour** पुस्तक जे.एफ. ब्राउन द्वारा लिखित जिसका हिन्दी **अनुवाद असामान्य व्यवहार की मनोगतिकी - डॉ. शोभना शाह** द्वारा किया गया है नामक पुस्तक का अध्ययन किया है। जिसमें विभिन्न मनोवैज्ञानिक तथ्यों, विचार, मतों का ज्ञान प्राप्त होता है। **हरमोहन एवं यशवीर** द्वारा लिखित **व्यक्तित्व का मनोविज्ञान** नामक शीर्षक पुस्तक से व्यक्तित्व के बारे में मनोवैज्ञानिक पक्ष का अध्ययन किया।

Reading Vincent Vangogh : A Thematic guide to the latter पुस्तक **Patrick Grant** द्वारा लिखित, में वॉनगॉग के पत्रों के द्वारा जीवन के अनेक पक्षों का ज्ञान प्राप्त हुआ

कला और मनोविज्ञान के मध्य सम्बन्ध के अध्ययन के लिए **आर. बी. गौतम द्वारा** लिखित **'कला का मनोविज्ञान'** नामक पुस्तक का अध्ययन किया है जिसमें कला के मनोविज्ञान के विषय में विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। इसके अतिरिक्त वॉनगॉग की समस्त कला कृतियों का कला के तत्वों के आधार पर अध्ययन किया है।

परिकल्पना

परिकल्पना से तात्पर्य अनुसन्धान समस्या से सम्बन्धित समस्त सम्भावित समाधान पर विचार करना है। समस्या से सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन करके उपयुक्त परिकल्पना का निर्माण किया जाता है। विज्ञान से प्रतिपादित सिद्धांत परिकल्पनाओं को जन्म देते हैं। अपने अनुसन्धान के स्पष्ट व मान्य निष्कर्षो तक पहुचनें के लिए परिकल्पना अनुसन्धान को सही दिशा में निर्देशित करती है।

इस शोध में मैं मनोविज्ञान, कला व कलाकार के मध्य सम्बन्ध को प्रस्तुत करने का तथा वॉनगॉग के मानसिक पक्ष को उनके चित्रों द्वारा स्पष्ट करने का प्रयास करूगीं। मेरा यह शोध विषय **" विन्सेंट वॉनगॉग की मानसिक अवस्था का कलाभिव्यक्ति पर प्रभाव: एक अध्ययन"** दोष रहित तथा विश्वसनीय हो यही मेरा प्रयास रहेगा।

उद्देश्य

किसी भी अनुसन्धान को करने के पीछे उद्देश्य होना आवश्यक है बिना उद्देश्य के वह अनुसन्धान किसी भी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकता। मेरे शोध **"विन्सेंट वॉनगॉग की मानसिक अवस्था का कलाभिव्यक्ति पर प्रभाव: एक अध्ययन"** के निम्न उद्देश्य हैं-

- विन्सेंट वॉनगॉग के जीवन पर प्रकाश डालना।
- वॉनगॉग के कला संघर्ष को प्रस्तुत करना।
- वॉनगॉग की मानसिक अवस्था का चित्रों पर प्रभाव को स्पष्ट करना।
- वॉनगॉग की मानसिक अवस्था का विश्लेषण मनोवैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर।

वॉनगॉग के चित्रों का विश्लेषण व कला और मनोविज्ञान के बीच सम्बंध को प्रस्तुत करना।

चर

मेरे शोध के चर निम्न प्रकार हैं-

- मनोवैज्ञानिक तथ्य
- विषय सामग्री
- कला का तकनीकी पक्ष
- कला के तत्व

कार्य प्रणाली

अनुसन्धान अभिकल्प

मेरा यह शोध वॉनगॉग की मानसिक अवस्था का कलाभिव्यक्ति पर प्रभाव व कलाकृतियों के वस्तु विश्लेषण विधि व अन्तरानुशासनात्मक विधि पर आधारित है।

प्रदत्त संकलन

प्रदत्त संकलन प्राथमिक व द्‌वितीयक स्त्रोतों पर आधारित रहेंगे।

- **प्राथमिक स्त्रोत** : कलाकार की कलाकृतियां।
- **द्‌वितीयक स्त्रोत** : पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाएं, मनोवैज्ञानिक समीक्षक, कला समीक्षक, इन्टरनेट स्त्रोत तथा मेरी सम्मानीय शोध निर्देशिका व सह शोध निर्देशिका के साथ शोध विषय पर विचार विमर्श।

प्रतिदर्श का आकार

इस शोध के लिए लगभग 200 छायाचित्रों का चयन किया जाएगा।

सीमाएं

यह शोध उत्तर प्रभाववाद के केवल एक ही कलाकार विलेम विन्सेंट वॉनगॉग पर आधारित होगा एवं उन्हीं की मानसिक अवस्था को प्रस्तुत करेगा तथा उनकी लगभग 200 कलाकृतियों को चुना जाएगा।

निष्कर्ष

वॉनगॉग के चित्र उनके मानसिक अवस्था का प्रतिरूप हैं। जीवन की विभिन्न परिस्थितियों का प्रभाव उनके चित्रों में दिखाई देता है तथा वॉनगॉग की तकनीक ही सभी कलाकारों से उन्हें भिन्न दर्शाती है और इस तकनीक के पाछे कहीं ना कहीं उनकी मानसिक अवस्था ही है। अतः हम यह कह सकते है वॉनगॉग और उनकी मानसिक अवस्था दो रंग हैं जिनके विलय होने पर संसार को अद्भुत कृतियां प्राप्त हुई।

आधुनिक कला में शोध प्रबन्ध की प्रासंगिकता

मेरा यह शोध मनोविज्ञान और कला के सम्बन्ध में शोधार्थियों के लिए उपयोगी और ज्ञानवर्धक होगा। वॉनगॉग की मानसिक दशा का उनके चित्रों पर प्रभाव कैसे हुआ? क्यों हुआ? यह स्पष्ट करने का प्रयास करूगीं जिससे शोधार्थियों व पाठकों को ज्ञान प्राप्त हो सके। वॉनगॉग का नाम आधुनिक कला में अखण्ड है उनकी कला आज भी नवीन कलाकारों के लिए प्रेरणा और भावात्मक कला का स्त्रोत है।

विन्सेंट वानगॉग की मानसिक अवस्था का कलाभिव्यक्ति पर प्रभाव : एक अध्ययन

विषय अनुक्रमणिका

- **भूमिका : फ्रांस में आधुनिक कला का उद्भव एवं विकास**
- **प्रथम अध्याय : आधुनिक कलाकार वॉनगॉग का व्यक्तित्व**

    1.1 वॉनगॉग का प्रारम्भिक जीवन

    1.2 वॉनगॉग के कला जीवन की प्रेरणा

- **द्वितीय अध्याय : वॉनगॉग का कला जीवन संघर्ष**

    2.1 व्यक्तिगत समस्याएं

    2.2 व्यावसायिक समस्याएं

- **तृतीय अध्याय : मानसिक अवस्था और कला**

    3.1 वॉनगॉग की मानसिक अवस्था

3.2 कला और मनोविज्ञान

3.3 मानसिक स्थिति का कला

❖ **चतुर्थ अध्याय : विन्सेंट वॉनगॉग और मनोवैज्ञानिक तथ्य**

4.1 मनोदशा विकृति

4.2 मानसिक विचलन

❖ **पंचम अध्याय : वॉनगॉग का कला संसार**

5.1 चित्रों की विषय सामग्री

5.2 वॉनगॉग की कला तकनीक एवं माध्यम

5.3 चित्रों की विशेषताएं

❖ **उपसंहार**

❖ **परिशिष्ट**

- सन्दर्भ ग्रन्थ सूची
- Bibliography
- Internet websites
- चित्रसूची

अनुसन्धान अभिकल्प

भूमिका

भूमिका के अन्तर्गत मैं फ्रांस में आधुनिक कला का उद्‌भव कब हुआ तथा इसका प्रसार, प्रचार एवं विकास कैसे हुआ इस पर प्रकाश डालूंगी। आधुनिक कला में वॉनगॉग का स्थान बहुत सम्मानीय है इस विषय पर प्रस्तुत करूगीं।

प्रथम अध्याय

प्रथम अध्याय में विलेम विन्सेंट वॉनगॉग के व्यक्तित्व व उनके प्रारम्भिक जीवन को प्रस्तुत करूंगी तथा उनकी कला के जो प्रेरणा स्त्रोत है उन पर प्रकाश डालने का प्रयास करूंगी।

द्वितीय अध्याय

द्वितीय अध्याय में वॉनगॉग के जीवन संघर्ष, व्यक्तिगत व व्यावसायिक समस्याओं को स्पष्ट करने का प्रयास रहेगा।

तृतीय अध्याय

तृतीय अध्याय में वॉनगॉग की मानसिक अवस्था का कला पर प्रभाव तथा उनकी मानसिक स्थति को स्पष्ट करने का प्रयास करूंगी। कला और मनोविज्ञान के बीच सम्बंध पर प्रकाश डालूंगी।

चतुर्थ अध्याय

चतुर्थ अध्याय में मनोवैज्ञानिक तथ्यों द्वारा वॉनगॉग की मानसिक अवस्था को स्पष्ट करने का प्रयास करूंगी तथा उनकी मानसिक बिमारियों के विषय को प्रस्तुत करूंगी।

पंचम अध्याय

पंचम अध्याय में वॉनगॉग के कला संसार तथा चित्रों की तकनीक, माध्यम एवं विशेषताओं पर प्रकाश डालूंगी।

उपसंहार

इसके अन्तर्गत मैं आधुनिक कला में वॉनगॉग का प्रशंसनीय व श्रेष्ठ काम की चर्चा करूंगी तथा आधुनिक कला के अद्भुत चित्रकार वॉनगॉग के योगदान को प्रस्तुत करने का प्रयास करूंगी।

दिनांक   शोधार्थी

रेनू

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- गौतम आर.बी - 1991, कला का मनोविज्ञान, श्याम प्रकाशन,जयपुर।
- जैन म.कु. - 2007, शोध विधियां, नई दिल्ली,यूनिवर्सिटि पब्लिकेशन।
- मुर्जनी जे - 2009,व्यक्तित्व का मनोविज्ञान, पॉइंटर प्रकाशक।
- शाह धीरजलाल - 1980, स्मरण कला, राजस्थान प्राकृत भारती संस्थान।
- शुक्ल रामचन्द्र - 2009, कला और आधुनिक प्रवृत्तियां, फोकस इन्फोटेक पब्लिकेशन।
- सिंह कुमार अरूण - 2016,आधुनिक असामान्य मनोविज्ञान,मोतीलाल बनारसीदास।
- सिंह आर.एन. - 2012,आधुनिक असामान्य मनोविज्ञान,अग्रवाल पब्लिकेशन।
- त्रिपाठी जय गोपाल - 2008 असामान्य मनोविज्ञान ,हर प्रसाद भार्गव बुक हाउस।
- त्रिपाठी वि. - 2015,रिसर्च मैथोडोलाॅजी,नई दिल्ली,ओमेगा पब्लिकेशन।
- श्रीवास्तव डी.एन., जान्हवी - 2017, व्यक्तित्व का मनोविज्ञान, अग्रवाल पब्लिकेशन।

BIBLIOGRAPHY

- Auden W.H. - 1961, Vangogh A Self Portrait, Newyork Graphic society Greenwich Connecticut
- Bakker Nienke – 2020, Vincent Vangogh – A Life in Letter, Thames and Hudson
- Brown J,F, and Menninger Kari – 1940, The Psychodynamics of Abnormal Behaviour Mc Graw hill
- Barr JR Alfred – 1935, Vincent Vangogh , Museum of modern Art, New York
- Brodskaya Nathalia – 2012, Post Impressionism, Parkstone International
- Grant Patrick – 2016, Reading Vincent Vangogh : A Thematic guide to the letter, Au press
- Martin Barclay – 1971, Anxity and Neurotic Disorders, John wiley & Sons lnc
- Naifeh Steven and White Smith Gregory – 2012, Vangogh : The Life , Random House Trade
- Page James D – 2010, Abnormal Psychology , Kessinger publishing

Stone Irving – 2018, Lust For Life, Arrow books Stone Irving – 1995, DEAR THEO , Penguin USA

Internet websites

- Granthalaya.com
- www.psychologydiscussion.net
- Literature.awgp.org
- www.hisour.com
- https://jivanhindi.com
- Satyagrah.scroll.in
- En.m.wikipedia.org
- www.ncbi.nlm.nih.gov
- https://books.google.co.in

परिशिष्ट- चित्रसूची

Fig.1- Starry Night, 1889 oil on canvas
(Sourse -https://www.moma.org/collection/works/79802)

Fig.2 Self Portrait with Bandaged Ear, 1889 oil on canvas
(Source- https://courtauld.ac.uk/highlights/self-portrait-with-bandaged-ear/)

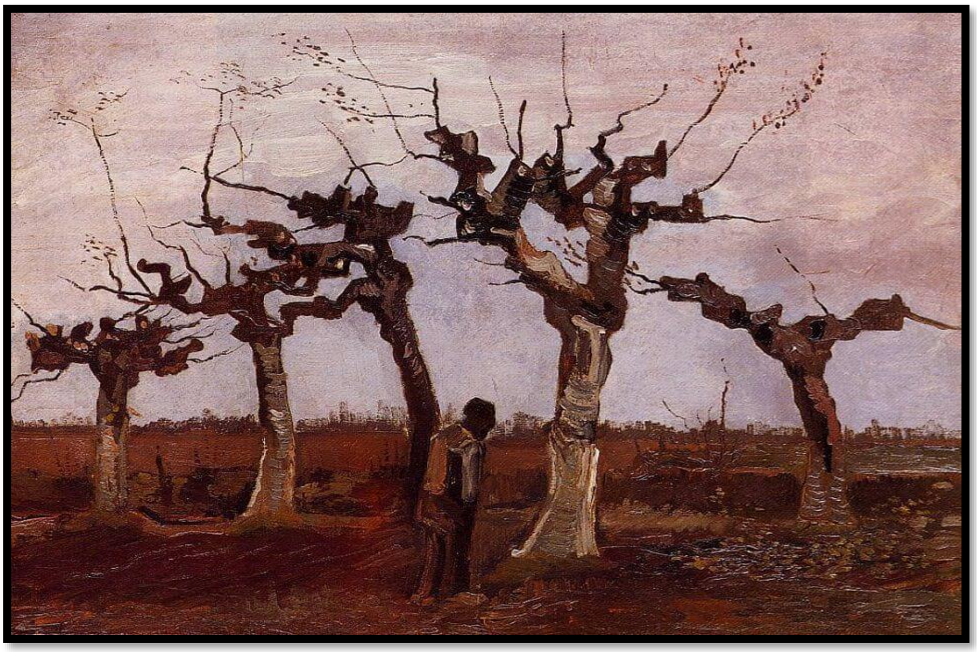

Fig.3- Pollard birches, 1884 pencil,pen ink , water colour on paper (Source-vincentvangogh.org/landscape-with-pollard-birches.jsp)

Fig.4-The potato Eaters, 1885 oil on canvas (Source- https://www.vangoghmuseum.nl/en/collection)